भारत जागृति मिशन
रेलवे रोड, ज्वालापुर, हरिद्वार–249407
उत्तराखंड, भारत
दूरभाष :+91–1334–310300,+91–9997070505
ई–मेल shrigangaji@indiatimes.com
वेबसाईट www.gangamaa.com

BHARAT JAGRITI MISSION
Railway road, Jwalapur, Haridwar-249407
Uttarakhand-India
Tele: +91-1334-310300,+91-9997070505
E-mail:shrigangaji@indiatimes.com
website :www.gangamaa.com

क्रमांक / .....

दिनांक / Date 11-7-08

सेवा में,

श्री देवेन्द्र कुमार पाठक जी
(सचिव) अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत)

महोदय,

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) के चतुर्थ स्थापना दिवस के आयोजन के विषय में जानकर मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। बैंकाक में 2 जनवरी 2009 को आयोजित होने वाले "अधिकृति" नामक स्मारिका के विमोचन पर मैं आपको सहृदय शुभकामना संदेश भेज रहा हूँ।

आपके नेतृत्व में संचालित यह अभियान अब राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशील है। आपके विशेष नेतृत्व का ही परिणाम है कि आपके इस अभियान का सर्वांगीण विकास होता जा रहा है। इसके लिए आप साधुवाद के पात्र हैं।

मानव शरीर के सर्वाधिक उपयोगी अंग मस्तिष्क, हृदय, व हाथ उपने मूल उद्देश्य से भटक गए हैं। आवश्यकता है कि मनुष्य मस्तिष्क से सकारात्मक चिंतन करे, हृदय में सबके प्रति करूणा हो और हाथ सृजनात्मक कार्यों को करे तभी विकास व उन्नति की सही परिभाषा चरितार्थ हो सकती है।

आज समाज में विकृति आयी है, किन्तु इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि विकृति उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। आप जैसे नवयुवक जब समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाहन सत्यनिष्ठा और समर्पण से करेंगे तभी उन्नत विश्व का निर्माण होगा।

मैं माँ गंगा से प्रार्थना करता हूँ कि आप अपने कार्यों में सफलता के चरम पर पहुँचे और इसी प्रकार जीव मात्र में ईश्वर के दर्शन कर जीव सेवा में तत्पर रहें। इस पुण्य कार्य की पुनः हार्दिक शुभकामनाएं।

शेष शुभ !

माँ गंगा व मानवता की सेवा में,

पं. अंशुल श्री कुंज
(अध्यक्ष)

॥ जय सिया राम ॥ रजि. नं. 322

श्री बलवंत व्यायाम शाला

हठेसिंह जी की बगीची, चौगान स्टेडियम के पीछे, जयपुर

संरक्षक — : ओम प्रकाश सियॉबजाज
हेम बिडला

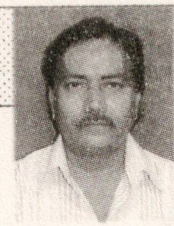

तकनिकी सलाहकार — : मन मोहन जायसवाल
(उपाध्यक्ष राष्ट्रीय जूडों संघ)

* गुरु एवं संचालक :
श्री सुमेर सिंह राठौड
* अध्यक्ष :
श्री श्रीकृष्ण सैनी
* उपाध्यक्ष :
नंदलाल लालवानी
चन्द्रशेखर शर्मा
* महासचिव :
अशोक शर्मा
* सह सचिव :
सुशील पारीक
* कोषाध्यक्ष एवं सह संचालक :
नारायण पहलवान
लक्ष्मण सैनी
* खेल सचिव :
नरेन्द्र कुमार पारीक
* सदस्य कार्यकारिणी :
अरुण शर्मा
धमेन्द्र सिंह पंवार
दीपक सिंह चौहान
भंवर लाल हरियाणा ब्राह्मण
अमोलक चंद (भायाजी)
दिनेश चन्द्र शर्मा (सैलमोर)
भवानी सिंह राठौड
आनंद कृष्ण यादव
अनिल कुमार गुप्ता
जगमोहन शर्मा
नंदु जी धागेवाले
लीलाधर
कालूराम बुनकर
आर. जी. माथुर
संदीप जयपुरिया
भगत सिंह राठौड

दिनांक 5-10-08

सन्देश

प्रिय पाठक जी,

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षक ब्यूरों के पहले अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जन जागृति के इस कदम के लिए एवं चतुर्थ स्थापना दिवस पर अधिकृत नामक स्मारिका के विमोचन की सफलता के लिए मैं हार्दिक बधाई देता हूँ।

आज मनुष्य भौतिक सुख सुविधा के लिए स्वार्थी हो चला है। इस दौड में मनुष्य मानवीय मूल्य को न पहचान कर अमानवीय कर्म का पुतला बनता जा रहा है। वे अपने किसी न किसी स्वार्थ वद् अधर्म, अनैतिकता, आतंकवाद, भ्रष्टाचार जैसे कुकर्मो को अपना कर्म समझ कर मानवता पर प्रहार कर रहा हैं।

आज यह सभी पूरे विश्व में हो रहा है। अतः जरूरत है आज अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षक ब्यूरों जैसे संगठनों की जो मानव मूल्यों की रक्षा के लिए जन जागृति लाये। मानव में बसे दानव को बाहर निकाल कर मानक मूलक समाज व देश की स्थापना करने में भूमिका निभाये।

जो नीति को नही समझता व अनिति करता है, अनिति से अपराध पैदा होता है, अपराध से आतंकवाद और आतंकवाद से अनिष्ट हो जाता है, अनिष्ट से फैले इस अंधकार को मिटाकर मानवता की सेवा का लक्ष्य लेकर मानव अधिकारों के प्रति जन जागृति के लिए 2 जनवरी, 2009 को बैंकांक में होने जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सरक्षण ब्यूरों (भारत) के अधिवेशन की सफलता के लिए मैं हार्दिक शुभकामनाऐ देता हूँ।

भवदीय,

सुमेरसिंह राठौड
गुरू एवं संचालक श्री बलवन्त व्यायामशाला
अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार,
संरक्षण ब्यूरों (भारत)
संरक्षक, (राज.)

प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल सिंह
कुलपति

Prof. D.P. Singh
Vice-Chancellor

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी - 221 005 (भारत)
BANARAS HINDU UNIVERSITY
(Established by Parliament by Notification No. 225 of 1916)
VARANASI - 221 005 (INDIA)

नवम्बर 21, 2008

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) के चतुर्थ स्थापना दिवस पर अधिकृति नामक संरक्षिका के स्मारिका का विमोचन 02 जनवरी 2009 को बैंकाक में करने जा रहा है। संस्था का उद्देश्य आतंकवाद विहीन उत्तम समाज की स्थापना करना और जीवन में उच्च नैतिक मूल्यों की स्थापना करना एक उत्तम प्रयास है। मेरी कामना है कि संस्था अपने उद्देश्य में सफल हो।

स्मृति-ग्रंथ के सफल प्रकाशन पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(धीरेन्द्र पाल सिंह)

Phones : (0542) 2368938 / 2307220 (O), 2368339 / 2307209 (R), Fax : (0542) 2369100 (O), 2369951 (R), e-mail : vc_bhu@sify.com

आर.एस. शुक्ला भा.व.से.
M.Sc. A.I.F.C.
PG(ITC) The Netherlands

दूरभाष : 0522-40229704
आवास : "ग्रीनर" 1/122, विजय खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ - 226010
E-mail : rsgreeners@yahoo.com
Mob. : 09335904443

1. ***Founder Director :*** Trees for Life Society India, Allahabad Chapter
2. ***Founder Member :*** Prayagraj Industries Afforestation Development Authority (PRIYADA)
3. Distributor of Five Lac. Guava seedings as "Briksha Prasad" in Mahakumbh - Allahabad - 1989.
4. Technical innovation for Environmental care and Greening of Shaktinagar, Vindhyachal, Dadri Power Plants of NTPC.
5. Technology for greening over burden of coal mines of Bina Kakri, Khadia etc. of N.C.L.
6. Ex-Member steering committee of World Bank Forestry Project, U.P.
7. **Chairperson of MOEF,** New Delhi Subcommittee on Forestry outside reserve forests-for Xth five year plan.
8. Empanelled consultant of Asian Development Bank Manila on Agro forestry, forestry education & eco-developments.
9. Member of Task Force of Planning Commission GOI, New Delhi on **Medicinal Plants.**

Greening India

10. People's participation in Social Forestry Formulated & Executed operation Green - 2001 in U.P.

11. Awarded.

1. **Paryawaran Shiromani**
2. **Ballia Gaurav**
3. **Acharya Shri Ram Sharma Vangusaraya Puraskar.**
4. **Honour for Book Forestry for Tribal Development**
5. **Man of the year - 2002**
6. **American Medal of Honour - 2003 Limited Striking.**

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि "अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण व्यूरो, भारत" International Human Rights Protection Bureau (India) द्वारा स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। इस स्मारिका में विगत 4–5 वर्षो में इस संस्था द्वारा मानवाधिकार के क्षेत्र में किये गये विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यो के विवरण के साथ–साथ राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तरों से प्राप्त सहयोग, विचारों व निर्देशों के प्रकाश में भावी रूपरेखा के निर्धारण में भी दिशा मिलेगी।

संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यकलापों में मानवाधिकार संरक्षण का विशेष अन्तरराष्ट्रीय महत्व है। जिस राष्ट्र में मानवाधिकार संरक्षण के मानक पूरे होते है उसे अन्तरराष्ट्रीय स्तर सम्मानजनक स्थान दिया जाता है। प्रजातांत्रीकरण की दिशा में मानवाधिकारों का संरक्षण एक राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय आवश्यकता हैं। प्रबुद्ध नागरिकता, संवैधानिक व प्रशासकीय व्यवस्थाओं में इस दिशा में सतत् प्रयत्नशील रही हैं। इन्ही सद्प्रयत्नों की कड़ी के रूप में "अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण व्यूरो" (भारत) वाराणसी ने उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, हिमांचल प्रदेश, बिहार, झारखण्ड आदि अनेक प्रान्तों में अपने पदाधिकारियों व कार्यकताओं के माध्यम से उल्लेखनीय सफलता पायी है। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर फिजी व फिलीपीन्स में भी संस्था सकृय है। आशा है कि निकट भविष्य में यह संस्था प्रवासी भारतीयों व अन्य प्रबुद्ध जनों के माध्यम से अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सशक्त भूमिका निभायेगी तथा इसे शीघ्र ही मानवाधिकार संरक्षण की दिशा में अग्रसर होते हुए अभूतपूर्व सफलता मिलेगी।

पी० एम० सिंह
न्यायाधीश

05248
कार्यालय 221762
आवास 9415008929

दिनांक 04.08.2008

संदेश
=====

मानव ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ अनुपम कृति है, अतएव मानवता की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र का सर्वोच्च धर्म व पुनीत कर्त्तव्य है। ब्यूरो के माध्यम से मानवाधिकार संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचा कर मानवीय मूल्यो की रक्षा करते हुए क्षेत्र, जाति, धर्म एवं सम्प्रदाय से ऊपर उठकर मानव जीवन को जीवंत एवं सार्थक बनाने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) अपने चतुर्थ स्थापना दिवस पर "अधिकृति" नामक मानवाधिकार संरक्षिका के स्मारिका का विमोचन बैंकाक मे दिनांक 02.01.2009 को आयोजित करने जा रहा है जो अत्यन्त हर्ष, उल्लास एवं प्रसन्नता का विषय है।

मैं ब्यूरो के स्थापना दिवस के सफलता की कामना करता हूँ तथा स्मारिका के विमोचन हेतु हार्दिक शुभकामनाओं के साथ बधाई देता हूँ।

(पी०एम० सिंह)
अपर सत्र न्यायाधीश,
त्वरित न्यायालय संख्या-31, बाराबंकी

एस0 एन0 साबत,
(आई.पी.एस.)

पत्र संख्याः सीओवी/विविध –(08)/
पुलिस उप महानिरीक्षक,
वाराणसी परिक्षेत्र
उत्तर प्रदेश, वाराणसी
कार्या0 : 0542–2509400
निवास : 0542–2509399

दिनांक : नवम्बर , 2008

प्रिय श्री पाठक ,

मुझे यह जानकर हर्ष हो रहा है कि अर्न्तराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर अधिकृति नामक संरक्षिका के स्मारिका का प्रकाशन दिनांक 02–01–2009 को बैंकाक में किया जा रहा है।

अर्न्तराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो के द्वारा मानव एवं समाज को जागृत करने, उन्हें उनके अधिकार एवं कर्तब्यों से सजग करने का जो सार्थक प्रयास किया जा रहा है, वह प्रसंशनीय है। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि ब्यूरों का कार्य निरन्तर जन मानस के लिये पथ–प्रदर्शक सिद्ध होगा।

स्थापना दिवस पर प्रकाशित हो रही स्मारिका के लिये मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

सधन्यवाद।

भवदीय,

(एस0 एन0 साबत)

श्री देवेन्द्र कुमार पाठक,
सचिव,
अर्न्तराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो,
जे–6/7 बी, अमर शहीद,डा0 बालजी पाठक मार्ग,
जैतपुरा, वाराणसी।

डॉ० राजेश कुमार मिश्र
संसद सदस्य (लोकसभा)
वाराणसी (उ०प्र०)

सदस्य- संसदीय राजभाषा समिति
सदस्य- स्थायी समिति वित्त मंत्रालय
सदस्य- परामर्शदात्री समिति कोयला एवं खान मंत्रालय
सदस्य- संयुक्त हिन्दी सलाहकार समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
सदस्य- हिन्दी सलाहकार समिति, लघु उद्योग, कृषि ग्रामीण उद्योग मंत्रालय
सदस्य- कोर्ट ऑफ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

सत्यमेव जयते

एस. 8/346, खजुरी कालोनी,
वाराणसी (उत्तर प्रदेश)
फोन : (0542)-2509091
मो0- 9415201122

33, मीना बाग, नई दिल्ली
फोन : (011) 23795273
मो0- 09868180493

पत्रांक- .....

दिनांक- .....
30.10.08

शुभकामना संदेश

प्रिय दूबे जी

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) के चर्तुथ स्थापना दिवस पर **'अधिकृति'** नामक स्मारिका का विमोचन 2 **जनवरी 2009 को बैंकाक** में होने जा रहा है। मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता आवश्यक है। पुलिसजनो के दुर्व्यवहार व ज्यादतियों के विरूद्ध आवाज तो उठानी ही चाहिए। किन्तु साथ ही अपराधों के शिकार शान्ति प्रिय नागरिकों को संविधान के अनुच्छेद 21 के द्वारा प्रदत्त जो शान्ति से और अपराध मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार दिया गया है उस पर भी ध्यान दिया जाय, और बढ़ते हुए अपराधों के विरूद्ध न्याय और पुलिस व्यवस्था को सुद्रण बनाया जाय।

आपकी संस्था के लिए हार्दिक शुभकामनाऐं ।

भवदीय

(डा0 राजेश कुमार मिश्र)

प्रतिष्ठा में,
प्रो. जी.पी. दूबे
अध्यक्ष
अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत)

डा० भोला सिंह
मंत्री
नगर विकास एवं आवास विभाग
बिहार, पटना

कार्यालय : विकास भवन
नया सचिवालय, पटना
दूरभाष : 0612-2235420
आवास : 25 हार्डिंग रोड, पटना
दूरभाष : 0612-2226073

पत्रांक 71 दिनांक 18.07.08

माननीय देवेन्द्र कुमार पाठक जी,

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) का चतुर्थ स्थापना दिवस बैंकाक में 02 जनवरी 2009 को आयोजित हो रहा है। इस ऐतिहासिक शुभ अवसर पर **अधिकृति** नामक स्मारिका का विमोचन भी होगा। आपने शुभकामना संदेश देने के लिए इस अवसर पर मुझे निदेशित किया है ।

आपके विरल नेतृत्व में इस अभियान ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक राष्ट्रीय छवि बनाने की दिशा में जो सफलता अर्जित किया है, वह एक चमत्कार है। यह तभी संभव हुआ है, जब आपके चमत्कारी संवेदनशील व्यक्तित्व का संरक्षण प्राप्त हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय जगत में जहाँ मनुष्य ने विज्ञान के क्षेत्र में आशातीत सफलता आयोजित किया है, वहीं ज्ञान के क्षेत्र में उसकी अधोगति हुई है। ज्ञान और विज्ञान के बीच बढ़ती हुई खाई सम्पूर्ण जगत में प्रकृति और मनुष्य के बीच असंतुलन पैदा करने लगी है। आज के परिवेश में हमारा पेट बढ़ा है और दिल छोटा हुआ है। दिल के छोटे होने से मानवीय संवेदना की धारा सूखने लगी है और इसके सूखने से मानव, शरीर बनने लगता है, यानी वह आत्महीन होने लगता है। मनुष्य प्रकृति की अनमोल आकृति है, इसका संरक्षण ही सर्वोपरि मानवता है। पर, इसका संरक्षण तभी संभव है, जब ज्ञान और विज्ञान, हृदय और मस्तिष्क में सामंजस्य स्थापित हो। आज राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार के उल्लंघन की अनगिनत घटनाएं हो रही है। मनुष्य ज्यों–ज्यों अपने अधिकारों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होने लगा है, त्यों–त्यों वह अपने कर्तव्य के प्रति उदासीन होता गया है। जहाँ एक का कर्तव्य दूसरे का अधिकार बनता है, वहाँ कर्तव्य–अधिकार एक दूसरे के पूरक हैं। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो ने विज्ञान एवं आध्यात्म के साथ जो सामंजस्य स्थापित किया है, वह सराहनीय है। यदि विज्ञान को अध्यात्म का संरक्षण प्राप्त नहीं होगा तो मनुष्य की संवेदना पवित्रता खो देगी।

मैंने बनारस और जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो के विशेष अधिवेशन में देखा है कि आपने शरीर और मन दोनों के विकास पर गहराई से चिंतन किया है। आपके ऊर्जावान व्यक्तित्व ने इस संगठन को बल प्रदान किया है और यह राष्ट्रीय क्षितिज से उठकर अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर उदित हो रहा है। बैंकॉक में इसका अधिवेशन होना और इस अवसर पर उपलब्धियों का लेखा–जोखा करना अत्यंत आवश्यक है। **अधिकृति स्मारिका** का इस दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है। **अधिकृति** की आकृति में हमारा संपूर्ण परिवेश आलोकित होगा। बैंकॉक अंतर्राष्ट्रीय जगत का एक खुशनुमा शहर है, जहां सूरज भी अपनी आकृति सर्वप्रथम उसे प्रदान करता है। यह **अधिकृति** भी ऊर्जावान सूरज का अभिवादन है, ऐसा मैं मानता हूँ। यह **अधिकृति स्मारिका** बैंकॉक में शरीर ग्रहण कर रहा है और उसमें भारत की सांस्कृतिक आत्मा आरोपित की जा रही है। यह बड़ा ही सुखद और शकुन का समय है।

मैं **अधिकृति स्मारिका** की सफलता की कामना करता हूँ और आपके विरल व्यक्तित्व को उंचाई प्राप्त होता रहे, इसकी शुभकामना करता हूँ।

भवदीय,

(डा० भोला सिंह) 18.7.08

श्री देवेन्द्र कुमार पाठक जी,
सचिव, अंतर्राष्टीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यरो (भारत)।

पंजीकृत पत्र

एस. वी. एम. त्रिपाठी
पूर्व महानिदेशक, उ०प्र० पुलिस तथा के०रि०पु०ब०
पूर्व सदस्य, उ०प्र० मानव अधिकार आयोग

'सुकृति'
3/481, विशाल खण्ड
गोमती नगर, लखनऊ - 226010
टेलीफोन न.- 2395039,2304218
ई–मेल : svmt@sancharnet.in

दिनांक :
9 सितम्बर 2008

प्रिय श्री पाठक,

कृपया अपने पत्र दिनांक 29 जुलाई 2008 का संदर्भ लें जिसके माध्यम से आपने "अधिकृति" नामक मानवाधिकार संरक्षिका के स्मारिका के लिये मुझसे संदेश भेजने की अपेक्षा की है।

तदनुसार मैं अपना संदेश संलग्न कर रहा हूँ।

आशा है आप इसे उपयुक्त पाएंगे।

ससद्भावना,

(एस.वी.एम.त्रिपाठी)

श्री देवेन्द्र कुमार पाठक,
सचिव,
अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो(भारत),
जे 6/7बी, अमर शहीद डा0 बालजी पाठक मार्ग
(पुलिस स्टेशन के निकट),
जैतपुरा,
वाराणसी-221 001

संलग्नकः यथोपरि।

सुशील कुमार मोदी,
उप मुख्य मंत्री,
बिहार ।

पटना

दिनांक 24/11/05

संदेश

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) अपने चतुर्थ-स्थापना-दिवस पर 'अधिकृति' नामक संरक्षिका की स्मारिका का प्रकाशन करने जा रहा है, जिसका विमोचन बैंकाक से होगा, यह जानकर प्रसन्नता हुई ।

ज्ञान-विज्ञान एवं अधिकार-कर्त्तव्यों में समुचित संतुलन बनाये रखने के उद्देश्य से संस्था पूरे विश्व में प्रयासरत है, यह संतोष की बात है ।

'स्मारिका' के सफल प्रकाशन हेतु मेरी शुभकामनाएँ स्वीकार की जायें ।

(सुशील कुमार मोदी)

दूरभाष Telephone { कार्यालय Office 4080200
निवास Residence 4080201

सत्यमेव जयते

राज्यपाल का सचिवालय, मध्यप्रदेश
Governor's Secretariat, Madhya Pradesh

राज्यपाल के प्रेस अधिकारी
Press Officer to Governor

राजभवन, भोपाल —462003
Raj Bhavan, Bhopal—462003

20 अगस्त,2008

संदेश

महामहिम राज्यपाल डा. बलराम जाखड़ ने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो के चौथे स्थापना दिवस पर स्मारिका का प्रकाशन किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

राज्यपाल महोदय ने आशा व्यक्त की है कि यह स्मारिका देश में समतामूलक समाज की स्थापना की दिशा में मार्गदर्शिका प्रमाणित होगी।

राज्यपाल महोदय की ओर से शुभकामनाएं।

राज्यपाल के प्रेस अधिकारी

सत्यमेव जयते

उप निदेशक (प्रैस)
राज्यपाल।
DY. DIRECTOR (PRESS)
TO GOVERNOR.

राज भवन, हरियाणा,
चण्डीगढ़।
RAJ BHAVAN, HARYANA,
CHANDIGARH.

दिनांक/Dated 12th August, 2008/
HRB-DDPR-08/6915
6917

Dear Shri Pathak ji

Reference your letter No. nil dated 29.7.08.

As desired, a message of His Excellency, the Governor of Haryana along with his photograph, is enclosed.

You are requested to send us a copy of Souvenir in which the message will be published for the kind perusal of His Excellency.

With regards,

Yours Sincerely,

PRam

(Pale Ram)

Shri Davinder Kumar Pathak,
Secretary,
Antarrashtriya Manavadhikar Sanrakshan Bureau
J. 6/7 B, Near Police Station,
Amar Shahid Dr. Balki Pathak Marg
Jaitpura, Varanasi - 221 001.

लाल कृष्ण आडवाणी
नेता, प्रतिपक्ष
लोक सभा

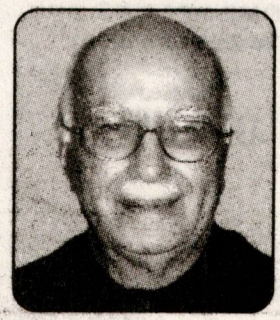

44, संसद भवन
नई दिल्ली-110 001
दूरभाष: 23016705, 23034285
फैक्स: 23017470

दिनॉक 25 नवम्बर, 2008

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि अर्न्तराष्ट्रीय मानवधिकार संरक्षण ब्यूरों (भारत) के चतुर्थ स्थापना दिवस पर अधिकृति नामक संरक्षिका के स्मारिका का विमोचन 2 जनवरी, 2009 को बैंकाक में होने जा रहा है।

यह हर्ष का विषय है कि संस्था ने गरीबी रेखा से नीचे जीने वाले लोगो के उत्थान व आम जनता में मानवधिकार के प्रति जनजागरण का संकल्प लिया है।

स्मारिका के प्रकाशन के अवसर पर मेरी शुभकामनायें स्वीकार करें।

लाल आडवाणी

(लाल कृष्ण आडवाणी)

निवास : 30, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली-110 011 दूरभाष : 23794124, 23794125, फैक्स : 23017015

Justice A. P. Misra
Former Judge
Supreme Court of India
Chairman
Legal Education Committee of India

27, Park Road,
Allahabad-2, U.P.
Tel. : 0532-2461244

संदेश

यह बड़े हर्ष की बात है कि अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत), अपने क्रियाशीलता में अपने चतुर्थ स्थापन दिवस पर अधिकृत नामक मानवाधिकार संरक्षिका का विमोचन बैंकाक में करने जा रहा है।

आज मानव अधिकार का हनन विश्वव्यापी हो गया है। हत्या, हनन, आतंकवाद आज की दिनचर्या हो गई है। आक्रोश, स्वार्थ मानवता का हनन करती जा रही है। अपने स्वार्थ में हम मानवीय मूल्यों को भूल गये हैं।

मानव अधिकार की संरक्षा सिर्फ नियमों, अधिनियमों व आदेशों से नहीं हो सकता, ये तो हनन कर्ता को दण्डित कर सकता है पर हननकर्ता के मान्सिक स्थित को नहीं बदल सकता। जब तक हम मानव अधिकार हनन कर्ता के उमड़ती बाढ़ को नहीं रोकेंगे मानव अधिकार का हनन होता रहेगा। उनके मानसिक स्थिति को बदलना आवश्यक है। आज हम मानवता के मानवीय मूल्यों को भूल ही गये हैं। इसे शिक्षा प्रणली में अनिवार्य रूप से लाना आवश्यक है। सभी सामाजिक संस्थाओं को प्राथमिकता से इसका समन्वय, समाज में करना चाहिये। मानवीय मूल्य ही मानव अधिकार का संरक्षण है। कर्तव्य पालन के कोष से ही अधिकारों का निवारण होता है। इस कोष को बढ़ाये बिना अधिकारों के हनन को रोकना मुश्किल है।

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरों (भारत) अपने उद्देश्यों के पूर्ति में कार्यरत है। उसका अगला अधिवेशन 2 जनवरी 2009 को बैंकाक में होने जा रहा है। हमें विश्वास है वो अपने उद्देश्यों की पूर्ति करते, समाज में मानवीय मूल्यों को विकसित करने में अग्रणी रहेगा। हमारी शुभकामना है कि ये अधिवेशन सफलता से मानवता के संरक्षण के लियें उच्च उद्देश्यों को विकसित करने के लिये बीजोरोपड़ करेगी।

(अ0प्र0 मिश्र)